News Clipping of ICAR - CIPHET, Ludhiana signed MoU with MDU, Rohtak

एमडीयू और आईसीएआर लुधियाना ने किया एमओयू

हरिभूमि न्यूज ▶▶ रोहतक

मदवि तथा सेंट्रल इंस्टीट्यूट ऑफ पोस्ट-हारवेस्ट इंजीनियरिंग एंड टैक्नोलॉजी (आईसीएआर), लुधियाना के मध्य शोध एवं प्रशिक्षण हेतु मेमोरेंडम ऑफ अंडरस्टैंडिंग (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए गए। कुलपति प्रो. राजबीर सिंह की उपस्थिति में एमडीयू रजिस्ट्रार प्रो. गुलशन लाल तनेजा तथा सीआईपीएचईटी निदेशक प्रो. नचिकेत कोतवाली वाले ने करार पत्र पर हस्ताक्षर किए। वीसी ने कहा कि एमडीयू तथा सीआईपीएचईटी के मध्य ये एमओयू विद्यार्थियों के व्यावसायिक प्रशिक्षण तथा गुणवत्तापरक शोध कैपीसिटी बिल्डिंग का रास्ता प्रशस्त करेगा। वीसी ने कहा कि एमडीयू जीव विज्ञान-पर्यावरण विज्ञान क्षेत्र में अग्रणी विवि है। विश्वविद्यालय के जीव विज्ञान संकाय के प्राध्यापकों तथा शोधार्थियों ने विशेषज्ञता के क्षेत्र में कई उपलब्धियां हासिल की हैं।

रोहतक। एमडीयू रजिस्ट्रार प्रो. गुलशन लाल तनेजा व सीआईपीएचईटी निदेशक प्रो. नचिकेत एमओयू अदान प्रदान करते हुए।

शोध में मिलेगा लाभ

कुलपति प्रो. राजबीर सिंह ने बताया कि इस करार से न केवल उच्चतर अध्ययन तथा संयुक्त शोध में लाभ मिलेगा, बल्कि सामुदायिक आउटरिच विशेष रूप से किसानों में पर्यावरणीय जागरूकता, पोस्ट हारवेस्ट मैनजमेंट विशेष रूप से पराली प्रबंधन का रास्ता भी प्रशस्त होगा। इस मौके पर निदेशक सेंट्रल इंस्टीट्यूट ऑफ पोस्ट हारवेस्ट इंजीनियरिंग एण्ड टैक्नोलोजी डॉ. नचिकेत कोतवाली वाले ने कहा कि सीआईपीएचईठटी पोस्ट हारवेस्ट इंजीनियरिंग एण्ड टैक्नोलोजी में प्राब्लम साल्विंग रिसर्च का कार्य कर रही है। फसल कटाई उपरांत होने वाले नुकसान का न केवल मूल्यांकन बल्कि उचित प्रौद्योगिकी पहल से समस्या समाधान भी कर रही है। उन्होंने कहा कि ये एमओयू दोनों संस्थानों के लिए अत्यन्त लाभकारी होगा।

मदवि की पृष्ठभूमि प्रकाश डाला

एमडीयू के माइक्रोबायोलोजी विभागाध्यक्ष डा. के.के. शर्मा ने इस एमओयू की पृष्ठभूमि तथा महत्व पर प्रकाश डाला। एमडीयू के डीन एकेडमिक एफेयर्स प्रो. सुरेंद्र कुमार, डीन सीडीसी प्रो. एएस मान, रजिस्ट्रार प्रो. गुलशन लाल तनेजा, डीन लाइफ साइंसेज प्रो. राजेश धनखड़, डीन, शोध निदेशक प्रो. एएस छिल्लर समेत जीव विज्ञान संकाय विभागों के अध्यक्ष, सीईसीएआर-सीफेट से वैज्ञानिक सुश्री सूर्या तथा डा. धृतिमान साहा, एमडीयू निदेशक जनसंपर्क सुनित मुखर्जी उपस्थित रहे। गौरतलब है कि सीफेट की वैज्ञानिक सूर्या एमडीयू एलुमना है तथा इस एमओयू हस्ताक्षर में उनका योगदान रहा।

एमडीयू व सीआइपीएचईटी के बीच हुआ एमओयू

जागरण संवाददाता, रोहतक : महर्षि दयानंद विश्वविद्यालय तथा सेंट्रल इंस्टीट्यूट आफ पोस्ट-हारवेस्ट इंजीनियरिंग एण्ड टेक्नोलाजी (आइसीएआर), लुधियाना के मध्य शोध एवं प्रशिक्षण हेतु मेमोरेंडम आफ अंडरस्टैंडिंग (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए गए। एमडीयू कुलपति प्रो. राजबीर सिंह की गरिमामयी उपस्थिति में एमडीयू रजिस्ट्रार प्रो. गुलशन लाल तनेजा तथा सीआइपीएचईटी निदेशक प्रो. नचिकेत कोतवाली वाले ने करार पत्र पर हस्ताक्षर किए।

कुलपति ने कहा कि एमडीयू तथा सीआइपीएचईटी के मध्य ये एमओयू विद्यार्थियों के व्यावसायिक प्रशिक्षण तथा गुणवत्तापरक शोध कैपीसिटी बिल्डिंग का रास्ता प्रशस्त करेगा। कुलपति ने कहा कि एमडीयू जीव विज्ञान-पर्यावरण विज्ञान क्षेत्र में अग्रणी विश्वविद्यालय है। विश्वविद्यालय के जीव विज्ञान संकाय के प्राध्यापकों तथा शोधार्थियों ने अपने विशेषज्ञता के क्षेत्र में अनेक उपलब्धियां हासिल की हैं। कुलपति ने कहा कि इस करार से न केवल उच्चतर अध्ययन तथा संयुक्त शोध में लाभ मिलेगा, बल्कि सामुदायिक आउटरिच विशेष रूप से किसानों में पर्यावरणीय जागरूकता, पोस्ट हारवेस्ट मैनेजमेंट विशेष रूप से पराली प्रबंधन का रास्ता भी प्रशस्त होगा।निदेशक, सेंट्रल इंस्टीट्यूट आफ पोस्ट हारवेस्ट इंजीनियरिंग एण्ड टेक्नोलाजी डा. नचिकेत कोतवाली वाले ने कहा कि सीआइपीएचईठटी पोस्ट हारवेस्ट इंजीनियरिंग एण्ड टेक्नोलाजी में प्राब्लम साल्विंग रिसर्च का कार्य कर रही है। फसल कटाई उपरांत होने वाले नुकसान का न केवल मूल्यांकन बल्कि उचित प्रौद्योगिकी पहल से समस्या समाधान भी कर रही है। उन्होंने कहा कि ये एमओयू दोनों संस्थानों के लिए अत्यन्त लाभकारी होगा। एमडीयू के माइक्रोबायोलोजी विभागाध्यक्ष डा. केके शर्मा ने इस एमओयू की पृष्ठभूमि तथा महत्त्व पर प्रकाश डाला।एमडीयू के डीन, एकेडमिक एफेयर्स प्रो. सुरेन्द्र कुमार, डीन सीडीसी प्रो. एएस मान, रजिस्ट्रार प्रो. गुलशन लाल तनेजा, डीन लाइफ साइंसेज प्रो. राजेश धनखड़, डीन, शोध निदेशक प्रो. एएस छिल्लर समेत जीव विज्ञान संकाय विभागों के अध्यक्ष, सीइसीएआर-सीफेट से वैज्ञानिक सुश्री सूर्या आदि मौजूद रहे।

महर्षि दयानंद विश्वविद्यालय के रजिस्ट्रार प्रो. गुलशन लाल तनेजा तथा सीआइपीएचईटी निदेशक प्रो. नचिकेत कोतवाली वाले करार पत्र पर हस्ताक्षर करने के बाद आदान-प्रदान करते हुए।

शोध और प्रशिक्षण के लिए एमडीयू और आईसीएआर में हुआ एमओयू

पर्यावरणीय जागरूकता, पोस्ट हार्वेस्ट मैनेजमेंट का रास्ता भी प्रशस्त होगा

माई सिटी रिपोर्टर

रोहतक। महर्षि दयानंद विश्वविद्यालय और सेंट्रल इंस्टीट्यूट ऑफ पोस्ट हार्वेस्ट इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी (आईसीएआर) लुधियाना के मध्य शोध और प्रशिक्षण के लिए मेमोरेंडम ऑफ अंडरस्टैंडिंग (एमओयू) पर हस्ताक्षर हुआ है।

एमडीयू कुलपति प्रो. राजबीर सिंह की उपस्थिति में रजिस्ट्रार प्रो. गुलशन तनेजा व सीआईपीएचईटी निदेशक प्रो. नचिकेत कोतवालीवाले ने करार पत्र पर हस्ताक्षर किए। कुलपति ने कहा कि एमडीयू व सीआईपीएचईटी के मध्य यह एमओयू विद्यार्थियों के व्यावसायिक प्रशिक्षण व गुणवत्तापरक शोध क्षमता वृद्धि का रास्ता प्रशस्त करेगा। एमडीयू जीव विज्ञान-पर्यावरण विज्ञान क्षेत्र में अग्रणी विश्वविद्यालय है। इस करार से न केवल उच्चतर अध्ययन व संयुक्त शोध में लाभ मिलेगा, बल्कि सामुदायिक आउटरिच विशेष रूप से किसानों में पर्यावरणीय जागरूकता, पोस्ट हार्वेस्ट मैनेजमेंट का रास्ता भी प्रशस्त होगा।

एमडीयू में एमओयू के दौरान उपस्थित कुलपति प्रो. राजबीर सिंह । विज्ञप्ति

निदेशक, सेंट्रल इंस्टीट्यूट ऑफ पोस्ट हार्वेस्ट इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी डॉ. नचिकेत कोतवाली वाले ने कहा कि सीआईपीएचईटी पोस्ट हार्वेस्ट इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी में प्राब्लम सॉल्विंग रिसर्च का कार्य कर रही है। फसल कटाई के बाद होने वाले नुकसान का न केवल मूल्यांकन, बल्कि उचित प्रौद्योगिकी पहल से समस्या समाधान भी कर रही है। यह एमओयू दोनों संस्थानों के लिए लाभकारी होगा। एमडीयू के माइक्रोबायोलॉजी विभागाध्यक्ष डॉ. केके शर्मा ने इस एमओयू की पृष्ठभूमि व महत्व पर प्रकाश डाला।

एमडीयू के डीन, एकेडमिक अफेयर्स प्रो. सुरेंद्र कुमार, डीन सीडीसी प्रो. एएस मान, डीन लाइफ साइंसेज प्रो. राजेश भनखड़, डीन, शोध निदेशक प्रो. एएस छिल्लर आदि उपस्थित रहे।

शोध के लिए एम.डी.यू. और आई.सी.ए.आर. के बीच हुआ एम.ओ.यू.

एम.ओ.यू. साइन करते एम.डी.यू. और आई.सी.ए.आर. अधिकारी।

रोहतक, 18 मई (पंकेस) : महर्षि दयानंद विश्वविद्यालय तथा सैंट्रल इंस्टीच्यूट ऑफ पोस्ट-हारवेस्ट इंजीनियरिंग एंड टैक्नोलोजी (आई. सी. ए. आर.), लुधियाना के मध्य शोध एवं प्रशिक्षण हेतु मैमोरैंडम ऑफ अंडरस्टैंडिंग (एम.ओ.यू.) पर हस्ताक्षर किए गए।

एम.डी.यू. कुलपति प्रो. राजबीर सिंह की गरिमामयी उपस्थिति में एम.डी.यू. रजिस्ट्रार प्रो. गुलशन लाल तनेजा तथा सी.आई.पी.एच.ई.टी. निदेशक प्रो. नचिकेत कोतवालीवाले ने करार पत्र पर हस्ताक्षर किए।

कुलपति प्रो. राजबीर सिंह ने कहा कि एम.डी.यू. तथा सी.आई.पी.एच.ई.टी. के मध्य ये एम.ओ.यू. विद्यार्थियों के व्यावसायिक प्रशिक्षण तथा गुणवत्तापरक शोध कैपीसिटी बिल्डिंग का रास्ता प्रशस्त करेगा। कुलपति ने कहा कि एम.डी.यू. जीव विज्ञान-पर्यावरण विज्ञान क्षेत्र में अग्रणी विश्वविद्यालय है। विश्वविद्यालय के जीव विज्ञान संकाय के प्राध्यापकों तथा शोधार्थियों ने अपने विशेषज्ञता के क्षेत्र में अनेक उपलब्धियां हासिल की हैं।

कुलपति ने कहा कि इस करार से न केवल उच्चतर अध्ययन तथा संयुक्त शोध में लाभ मिलेगा, बल्कि सामुदायिक आउटरिच विशेष रूप से किसानों में पर्यावरणीय जागरूकता, पोस्ट हारवेस्ट मैनजमैंट विशेष रूप से पराली प्रबंधन का रास्ता भी प्रशस्त होगा।

निदेशक, सैंट्रल इंस्टीच्यूट ऑफ पोस्ट हारवेस्ट इंजीनियरिंग एंड टैक्नोलॉजी डा. नचिकेत कोतवाली वाले ने कहा कि सी.आई.पी.एच.ई.टी. पोस्ट हारवेस्ट इंजीनियरिंग एंड टैक्नोलोजी में प्राब्लम साल्विंग रिसर्च का कार्य कर रही है।

फसल कटाई उपरांत होने वाले नुकसान का न केवल मूल्यांकन बल्कि उचित प्रौद्योगिकी पहल से समस्या समाधान भी कर रही है। उन्होंने कहा कि ये एम.ओ.यू. दोनों संस्थानों के लिए अत्यंत लाभकारी होगा। एम.डी.यू. के माइक्रोबायोलोजी विभागाध्यक्ष डा. के.के. शर्मा ने इस एम.ओ.यू. की पृष्ठभूमि तथा महत्त्व पर प्रकाश डाला।